02/06/26

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3221

Unique Paper Code	:	2413080028
Name of the Paper	:	ENVIRONMENTAL ACCOUNTING
Type of the Paper	:	DSE
Semester	:	VI
Programme	:	B.Com. (H.)

Duration : 3 Hours **Maximum Marks : 90**

Instructions for Candidates:

- Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
- Attempt any five questions out of the eight questions.

Q.1. Critically evaluate the historical development and evolution of Social Accounting. What specific limitations in the traditional accounting led for adopting social accounting in modern business? (18)

Q.2. Compare and contrast 'Seidler's Model' with 'Abt's Model' in terms of Social Income Statement. How these distinct methodologies approach the quantitative assessment of a firm's social impact? (18)

Q.3. 'The Legitimacy Theory' and 'Institutional Theory' has played an important role in adoption of Corporate Social Accounting." Discuss. Also, explain the changes can be seen in corporate social reporting beyond basic regulatory compliance. (18)

Q.4. Explain the scope and objectives of Responsibility accounting within the broader discipline of social accounting. Also, discuss the unique structural challenges faced when implementing Social Accounting practices under CSR Reporting Framework in India. (18)

Q.5. Evaluate the strategic impact of the SEBI Guidelines on Business Responsibility & Sustainability Reporting (BRSR). How does this specific regulatory framework enhance the effective stakeholder engagement compared to earlier reporting norms? (18)

Q.6. Examine the integration and distinct purposes of international accounting standards and guidance frameworks, specifically SASB, GRI, and the SDGs. What are the challenges in aligning them with national accounting practices? (18)

Q.7. Explain the concept and structural utility of a Social Accounting Matrix (SAM) in the context of National Income. Also, discuss the critical role of Social Audit and Assurance in validating these metrics to attract and secure Socially Responsible Investment (SRI). (18)

Q.8. Zenith Industries meets the financial threshold for mandatory CSR spending. The company's net profits (before tax) for the preceding three financial years are as follows:

- **FY 2022-23:** ₹ 120 Crores
- **FY 2023-24:** ₹ 145 Crores
- **FY 2024-25:** ₹ 185 Crores

Note: The net profit for FY 2023-24 includes ₹ 15 Crores generated from an overseas branch, and the profit for FY 2024-25 includes ₹ 5 Crores in dividends received from another company already compliant with CSR provisions.

Calculate the exact mandatory CSR expenditure required for the current financial year (FY 2025-26) assuming the statutory requirement is 2% of the average qualifying net profit of the last three years. Show all adjustments clearly. (18)

प्रश्न 1. सामाजिक लेखांकन के ऐतिहासिक विकास और क्रमिक विकास का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। पारंपरिक लेखांकन में किन विशिष्ट सीमाओं के कारण आधुनिक व्यवसाय में सामाजिक लेखांकन को अपनाया गया? (18)

प्रश्न 2. सामाजिक आय विवरण के संदर्भ में 'सीडलर मॉडल' और 'एब्ट मॉडल' की तुलना और अंतर स्पष्ट कीजिए। ये अलग-अलग पद्धतियाँ किसी फर्म के सामाजिक प्रभाव के मात्रात्मक मूल्यांकन के लिए किस प्रकार दृष्टिकोण अपनाती हैं? (18)

प्रश्न 3. कॉर्पोरेट सामाजिक लेखांकन को अपनाने में 'वैधता सिद्धांत' और 'संस्थागत सिद्धांत' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चर्चा कीजिए। साथ ही, बुनियादी नियामक अनुपालन से परे कॉर्पोरेट सामाजिक रिपोर्टिंग में देखे जा सकने वाले परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए। (18)

प्रश्न 4. सामाजिक लेखांकन के व्यापक अनुशासन के अंतर्गत उत्तरदायित्व लेखांकन के दायरे और उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। साथ ही, भारत में सीएसआर रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के तहत सामाजिक लेखांकन प्रथाओं को लागू करते समय आने वाली विशिष्ट संरचनात्मक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (18)

प्रश्न 5. व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) पर एसईबीआई दिशानिर्देशों के रणनीतिक प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। यह विशिष्ट नियामक ढांचा पूर्व के रिपोर्टिंग मानदंडों की तुलना में प्रभावी हितधारक जुड़ाव को कैसे बढ़ाता है? (18)

प्रश्न 6. अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों और मार्गदर्शन ढांचों, विशेष रूप से एसएएसबी, जीआरआई और एसडीजी के एकीकरण और विशिष्ट उद्देश्यों की जांच कीजिए। राष्ट्रीय लेखांकन प्रथाओं के साथ उन्हें संरेखित करने में क्या चुनौतियां हैं? (18)

प्रश्न 7. राष्ट्रीय आय के संदर्भ में सामाजिक लेखा मैट्रिक्स (एसएएम) की अवधारणा और संरचनात्मक उपयोगिता की व्याख्या कीजिए। साथ ही, सामाजिक रूप से जिम्मेदार निवेश (एसआरआई) को आकर्षित करने और सुरक्षित करने के लिए इन मैट्रिक्स को मान्य करने में सामाजिक लेखापरीक्षा और आश्वासन की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा कीजिए। (18)

प्रश्न 8. ज़ेनिथ इंडस्ट्रीज अनिवार्य सीएसआर व्यय के लिए वित्तीय सीमा को पूरा करती है। कंपनी का पिछले तीन वित्तीय वर्षों का शुद्ध लाभ (कर पूर्व) इस प्रकार है:

• वित्तीय वर्ष 2022-23: ₹ 120 करोड़

• वित्तीय वर्ष 2023-24: ₹ 145 करोड़

• वित्तीय वर्ष 2024-25: ₹ 185 करोड़

नोट: वित्तीय वर्ष 2023-24 के शुद्ध लाभ में एक विदेशी शाखा से अर्जित ₹ 15 करोड़ शामिल हैं, और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लाभ में एक अन्य कंपनी से प्राप्त ₹ 5 करोड़ लाभांश शामिल हैं जो पहले से ही सीएसआर प्रावधानों का अनुपालन करती है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए आवश्यक अनिवार्य सीएसआर व्यय की गणना करें, यह मानते हुए कि वैधानिक आवश्यकता पिछले तीन वर्षों के औसत योग्य शुद्ध लाभ का 2% है। सभी समायोजन स्पष्ट रूप से दर्शाएँ। (18)